जीविका
गरीबी निवारण हेतु बिहार सरकार की पहल
बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति
राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बिहार
बिहार सरकार
प्रथम तल, विद्युत भवन–2, बेली रोड, पटना–800 021, दूरभाष :+91–612–250 4980, फैक्स : +91–612–250 4960, वेबसाइट : www.brlp.in

पत्रांक -BRLPS/Proj-HEN/1088/17/5190 दिनांक -17/03/2020

कार्यालय आदेश

कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने एवं उससे बचाव के संबंध में

(1) कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने एवं उससे बचाव के संबंध में सभी कम्युनिटी मोबिलाइज़र सभी सामुदायिक सदस्यों से चर्चा करेंगे | इसके लक्षण, फैलने का कारण, बचाव इत्यादि से सम्बंधित जानकारी हेतु तैयार लिफलेट सभी कम्युनिटी मोबिलाइज़र के लिए राज्य कार्यालय से दो-तीन दिनों के अन्दर भेजा जा रहा है | सभी कम्युनिटी मोबिलाइज़र इसे पढ़ेंगी एवं सदस्यों को विस्तार से बतायेंगी |

(2) इसके अतिरिक्त लिफलेट मुद्रित करा कर समुदाय के बीच वितरित किये जाने की आवश्यकता है | इस उद्देश्य से लिफलेट का soft copy (PDF, JPEG, CDR files) जिला कार्यालयों को भेजा जा रहा है | प्रत्येक जिला अपने यहाँ के कुल SHG की संख्या के अतिरिक्त 1000 प्रति (कैडर के लिए) लिफलेट मुद्रित करवाकर सम्बंधित SHG व कैडर के बीच ससमय वितरित करवाना सुनिश्चित करेंगे ताकि समुदाय में लोग कोरोना वायरस के संक्रमण के प्रति जागरूक हो सकें | प्रबंधक-संचार के द्वारा जीविका के Procurement norms के अनुसार मुद्रण का कार्य सुनिश्चित किया जायेगा | लिफलेट का खर्च Communication budget head में Book किया जायेगा |

(3) लिफलेट का specification निम्नवत है :-

- Paper Size :- A4 Size one pager
- Thickness:- 90 GSM Glossy Paper
- Printing:- Multicolor one Sided

अनुलग्नक :- लिफलेट की प्रति

प्रतिलिपि:- राज्य व जिला परियोजना कार्यालय के सभी पदाधिकारी

मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी के आदेशानुसार

17.3.2020

(ब्रज किशोर पाठक)
विशेष कार्य पदाधिकारी

कोरोना वायरस है संक्रामक बीमारी
इसलिए सजग–सतर्क रहकर बचाव करना है ज़रूरी

कोविड–19 एवं कोरोना वायरस क्या है?

कोविड–19 एक संक्रामक बीमारी अर्थात एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलने वाली बीमारी है जो कोरोना नामक वायरस से होती है। विश्व के अन्य देशों के साथ–साथ यह वायरस भारत में भी फैल रहा है।

इसके क्या लक्षण हैं?

आमतौर पर कोरोना वायरस के मामलों में सर्दी–जुकाम, साँस लेने में तकलीफ, सूखी खाँसी, बुखार, बंद नाक तथा दस्त जैसे लक्षण देखे जाते हैं। यह लक्षण हल्के या गंभीर भी हो सकते हैं। लक्षण उभरते ही तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

इसे कैसे पहचानें?

कोरोना वायरस की पुष्टि अस्पताल में जांच के बाद ही हो सकती है।

यह कैसे फैलता है?

- आमतौर पर यह वायरस संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है।
- संक्रमित व्यक्ति की खाँसी या छींक से निकले थूक के छींटो के नजदीकी संपर्क में आने, उस व्यक्ति से हाथ मिलाने या उसके द्वारा छुई गई वस्तुओं को छूने से यह वायरस फैलता है।

इससे कैसे बचें?

कोरोना वायरस से बचने के लिए यह आसान उपाय अपनाएं :–

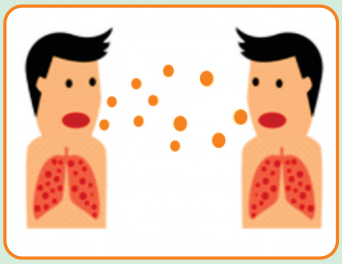

- **भीड़–भीड़ वाले स्थानों एवं यात्राओं से बचें।**

- ऐसा कोई भी व्यक्ति जिसे सर्दी, खांसी या बुखार है, से कम से कम एक मीटर की दूरी बनाएं रखें तथा उसके द्वारा छुई गई वस्तुओं को छूने से बचें।
- हर दो–तीन घंटे पर साबुन एवं पानी से बीस सेकेंड तक हाथों को अच्छे से धोएं।
- यदि आपको सर्दी–खांसी या बुखार है तो साफ रूमाल से नाक–मुंह ढंककर ही अन्य लोगों से बात करें।
- शहरों में काम करने वाले प्रवासी मजदूर अगले दो महीनों तक बड़े शहरों में जाने से बचें। बड़े शहरों से गांव लौटने पर यदि उनमें उपर्युक्त लक्षण दिखाई दें या कोरोना वायरस की संभावना लगे, तो जांच जरूर कराएं और आवश्यक सावधानियां बरतें।
- ग्राम संगठन के सदस्यगण अपने क्षेत्र में बड़े शहरों से आने वाले प्रवासी मजदूरों में कोरोना वायरस के लक्षण उभरने अथवा कोरोना वायरस की संभावना होने का पता चलने पर उनकी जांच के लिए सतर्क रहें तथा आवश्यक कदम उठाएं।
- अनावश्यक रूप से आंख, नाक और मुंह न छुएं।
- घर में पका ताजा खाना ही खाएं।
- शरीर की रोग–निरोधक क्षमता बढ़ाने वाले खाद्य समूह जैसे विभिन्न फल एवं सब्जियों को अपने भोजन में शामिल करें।

- इससे बचने के लिए टीका विकसित करने में अभी समय लगेगा। इसलिए सावधानी एवं बचाव ही इस संक्रमण से बचने का एकमात्र उपाय है।

कोरोना वायरस से संक्रमित मरीज अथवा उनके सहयोगी अविलम्ब राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार के निःशुल्क फोन नम्बर **104** अथवा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के निःशुल्क फोन नम्बर **91–11–23978046** पर चौबीसों घंटे संपर्क कर सकते है।

जीविका
JEEVIKA

सजग रहें, जागरूक रहें, घबराएं नहीं!

'जीविका', बिहार सरकार द्वारा जनहित में जारी

बिहार सरकार